SHABD ROOP

फल शब्द रूप का हिंदी अर्थ

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	फलम् (एक फल)	फले (दो फल)	फलानि (अनेक फल)
द्वितीया	फलम् (एक फल को)	फले (दो फल को)	फलानि (अनेक फल को)
तृतीया	फलेन (एक फल से)	फलाभ्याम् (दो फल से)	फलैः (अनेक फल से)
चतुर्थी	फलाय (एक फल के लिए)	फलाभ्याम् (दो फल के लिए)	फलेभ्यः (अनेक फल के लिए)
पंचमी	फलात् (एक फल से)	फलाभ्याम् (दो फल से)	फलेभ्यः (अनेक फल से)
षष्ठी	फलस्य (एक फल का)	फलयोः (दो फलों का)	फलानाम् (अनेक फलों का)
सप्तमी	फले (एक फल में)	फलयोः (दो फलों में)	फलेषु (अनेक फलों में)
सम्बोधन	हे फल! (हे एक फल!)	हे फले! (हे दो फल!)	हे फलानि! (हे अनेक फल!)

फल शब्द से बनने वाले वाक्य (संस्कृत में हिंदी अर्थ सहित)

यहाँ प्रत्येक विभक्ति और वचन के अनुसार 'फल' शब्द के उदाहरण वाक्य दिए गए हैं, जो आपको व्याकरणिक प्रयोग को समझने में मदद करेंगे:

प्रथमा विभक्ति (कर्ता कारक)

- एकवचन: फलम् स्वादु अस्ति। (फल स्वादिष्ट है।)
- द्विवचन: फले वृक्षे लटकतः। (दो फल वृक्ष पर लटकते हैं।)
- बहुवचन: फलानि स्वादूनि सन्ति। (फल स्वादिष्ट होते हैं।)

द्वितीया विभक्ति (कर्म कारक)

- एकवचन: फलम् खादति। (वह फल खाता है।)
- द्विवचन: फले ग्रहीतुम् इच्छति। (वह दो फलों को पकड़ना चाहता है।)
- बहुवचन: फलानि बालकः खादति। (बालक फल खाता है।)

तृतीया विभक्ति (करण कारक)

- एकवचन: फलेन पुष्पं अर्प्यते। (फल के द्वारा फूल अर्पित किया जाता है।)
- द्विवचन: फलाभ्याम् मधुर रसः स्रवति। (दो फलों से मधुर रस बहता है।)
- बहुवचन: फलैः पेयं सज्जीक्रियते। (फलों के द्वारा पेय तैयार किया जाता है।)

चतुर्थी विभक्ति (सम्प्रदान कारक)

- एकवचन: फलाय जलं दीयते। (फल के लिए जल दिया जाता है।)

- द्विवचन: फलाभ्याम् उपहारं ददामि। (मैं दो फलों के लिए उपहार देता हूँ।)
- बहुवचन: फलेभ्यः पुष्पाणि अर्पयामः। (हम फलों के लिए फूल अर्पित करते हैं।)

पंचमी विभक्ति (अपादान कारक)

- एकवचन: फलात् मधुर रसः। (फल से मधुर रस निकलता है।)
- द्विवचन: फलाभ्याम् वृक्षात् पतनम्। (दो फलों से वृक्ष से गिरावट होती है।)
- बहुवचन: फलेभ्यः सुगन्धः वियुज्यते। (फलों से सुगंध फैलती है।)

षष्ठी विभक्ति (सम्बन्ध कारक)

- एकवचन: फलस्य रंगः पीतः अस्ति। (फल का रंग पीला है।)
- द्विवचन: फलयोः स्वादः अद्वितीयः। (दो फलों का स्वाद अद्वितीय है।)
- बहुवचन: फलानाम् गुणाः उत्तमाः सन्ति। (फलों के गुण उत्तम हैं।)

सप्तमी विभक्ति (अधिकरण कारक)

- एकवचन: फले वृक्षे पतति। (फल वृक्ष में गिरता है।)
- द्विवचन: फलयोः समीपे क्रीडा। (दो फलों के समीप खेल है।)
- बहुवचन: फलेषु मधुर रसः अस्ति। (फलों में मधुर रस होता है।)

सम्बोधन (विस्मय कारक)

- एकवचन: हे फल! त्वं स्वादु अस्ति। (हे फल! तुम स्वादिष्ट हो।)
- द्विवचन: हे फले! युयम् मधुरौ स्तः। (हे दो फल! तुम मधुर हो।)
- बहुवचन: हे फलानि! यूयं पुष्टानि सन्ति। (हे फल! तुम पुष्ट हो।)

BEST OF LUCK

shabdroop.com